



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 365]
No. 365]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 5, 2008/आषाढ़ 14, 1930
NEW DELHI, SATURDAY, JULY 5, 2008/ASADHA 14, 1930

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
(स्वास्थ्य विभाग)
अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 जुलाई, 2008

सा.का.नि. 500(अ).—केंद्रीय सरकार, खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 23 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :-

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम खाद्य अपमिश्रण निवारण (चौथा संशोधन) नियम, 2008 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 की परिशिष्ट-छ में पैकेज बंद पेयजल (खनिज जल से भिन्न) से संबंधित मद क.33 के पहले पैरा के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:-

‘क.33- “पैकेज बंद पेयजल” से ऐसा जल अभिप्रेत है जो भू-पृष्ठ जल या भूमिगत जल या समुद्री जल से व्युत्पन्न है जो इसके अधीन विनिर्दिष्ट उपचारों, अर्थात् निस्तारण, निष्पंदन, निष्पंदन का संयोजन, वातन, क्षिल्लीदार निष्पंदक के साथ निष्पंदन, गहन निष्पंदक, कार्ट्रिज निष्पंदक, संक्रीयित कार्बन निष्पंदन विखनजीकरण, पुनः खनजीकरण, प्रतीप परसरण के अध्वधीन है और उस स्तर तक जल विसंक्रमणित करने के पश्चात् पैक किया गया है जिससे पेयजल में रासायनिक अधिकर्मकों या खान सुरक्षा अथवा उसकी उपयुक्तता के लिए स्वीकृत स्तर से अधिक स्तर तक सूक्ष्म जीवाणुओं की संख्या को कम करने हेतु भौतिक पद्धति के द्वारा हानिकर संदूषण नहीं होगा:

परंतु उपर्युक्त उपचारों को करने से पूर्व समुद्री जल अपक्षारीकरण और सम्बद्ध प्रक्रियाओं के अधीन होगा;।

[फा. सं. पी. 15014/5/2004-पी.एच.(फूड)]

देवाशीष पण्डा, संयुक्त सचिव

टिप्पण : खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3 में का.नि.आ. संख्यांक 2106, तारीख 12 सितंबर, 1955 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और सा.का.नि. 206 (अ) तारीख 25 मार्च, 2008 द्वारा उनका अंतिम संशोधन किया गया था।

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th July, 2008

G.S.R. 500(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, namely:—

- (1) These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (4th Amendment) Rules, 2008.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, in Appendix-B, in item A.33 relating to packaged drinking water (other than mineral water), for the first paragraph, the following shall be substituted, namely:—

'A.33. "packaged drinking water" means water derived from surface water or underground water or sea water which is subjected to hereinafter specified treatments, namely, decantation, filtration, combination of filtration, aerations, filtration with membrane filter depth filter, cartridge filter, activated carbon filtration, demineralisation, remineralisation, reverse osmosis and packed after disinfecting the water to a level that shall not lead to any harmful contamination in the drinking water by means of chemical agents or physical methods to reduce the number of micro-organisms to a level beyond scientifically accepted level for food safety or its suitability :

Provided that sea water, before being subjected to the above treatments, shall be subjected to desalination and related processes ;

[F. No. F. 15014/5/2004-PH-(Food)]

DEBASISH PANDA, Jt. Secy.

Note : The Prevention of Food Adulteration Rules, 1955 were published in Part-II, Section 3 of the Gazette of India, *vide* number S.R.O. 2106, dated the 12th September, 1955 and were last amended *vide* GSR 206(E) dated 25-3-2008.